संसाधन के रूप में लोग

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» जनसंख्या: मानव संसाधन की समझ

प्रश्न 1 (आसान). मानव पूँजी किससे बनती है?
उत्तर – शिक्षा, प्रशिक्षण और चिकित्सा सेवाओं में निवेश से।

प्रश्न 2 (आसान). जनसंख्या को मानव संसाधन कब माना जा सकता है?
उत्तर – जब लोग शिक्षा/स्वास्थ्य/प्रशिक्षण पाकर कुशल और उत्पादक बनें।

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश कम हो, तो जनसंख्या पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – लोगों के कौशल और उत्पादन ज्ञान कम विकसित होंगे, इसलिए उत्पादकता और आय पर नकारात्मक असर हो सकता है।

प्रश्न 4 (कठिन). भूमि और पूँजी अपने आप उपयोगी क्यों नहीं होतीं, और इसका मानव संसाधन से क्या संबंध है?
उत्तर – भूमि/पूँजी को उपयोग के लिए मानव कौशल और सही व्यवस्था चाहिए। इसी तरह सिर्फ लोग होना काफी नहीं–शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य से विकास करके उन्हें उत्पादक बनाना जरूरी है, तभी वे मानव संसाधन बनते हैं।

» मानव पूँजी: शिक्षा व स्वास्थ्य से बनता मूल्य

प्रश्न 5 (आसान). मानव पूँजी किन चीज़ों से बनती है?
उत्तर – शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश से–कौशल और उत्पादन ज्ञान के स्टॉक के रूप में।

प्रश्न 6 (आसान). मानव पूँजी क्या है, मशीन नहीं?
उत्तर – कौशल और उसमें निहित उत्पादन ज्ञान का स्टॉक (भंडार)।

प्रश्न 7 (मध्यम). भौतिक पूँजी निर्माण और मानव पूँजी निर्माण में समानता क्या है?
उत्तर – दोनों से देश की उत्पादक शक्ति/उत्पादन क्षमता बढ़ती है–भौतिक पूँजी मशीनों से, मानव पूँजी शिक्षा-स्वास्थ्य से बनी क्षमता से।

प्रश्न 8 (कठिन). यदि किसी कार्यक्रम में सिर्फ स्कूल फीस दी जाए लेकिन बच्चों का स्वास्थ्य/पोषण ठीक न हो, तो मानव पूँजी बनने में बाधा क्यों आएगी?
उत्तर – क्योंकि बार-बार बीमारी और कम पोषण से बच्चे की सीखने की निरंतरता और काम करने की क्षमता प्रभावित होती है; तब कौशल और उत्पादन ज्ञान का स्टॉक उतनी तेजी से नहीं बनता, इसलिए मानव पूँजी कमजोर रहती है।

» शिक्षा-प्रशिक्षण-स्वास्थ्य का प्रतिफल (आय व उत्पादकता)

प्रश्न 9 (आसान). शिक्षा-प्रशिक्षण-स्वास्थ्य में निवेश का प्रतिफल आमतौर पर किस रूप में दिखता है?
उत्तर – उच्च उत्पादकता के रूप में, जिससे आय/काम की गुणवत्ता बढ़ती है।

प्रश्न 10 (आसान). अधिक प्रशिक्षित लोगों की अधिक आय का कारण क्या है?
उत्तर – उनकी उच्च उत्पादकता।

प्रश्न 11 (मध्यम). क्यों कहा जाता है कि लाभ सिर्फ व्यक्ति तक नहीं रुकता और समाज को भी अप्रत्यक्ष लाभ होता है?
उत्तर – क्योंकि अधिक शिक्षित/स्वस्थ जनसंख्या का लाभ उन लोगों तक भी पहुँचता है जो स्वयं उतने शिक्षित/स्वस्थ नहीं हैं, और इससे समाज की उत्पादकता व जीवन-स्तर में सुधार आता है।

प्रश्न 12 (कठिन). अच्छा चक्र और दुष्चक्र मानव पूँजी के संदर्भ में कैसे बनते हैं? (शिक्षा, स्वास्थ्य, आय और उत्पादकता का लिंक लिखो)

उत्तर – अच्छा चक्र: बेहतर शिक्षा/स्वास्थ्य → उत्पादकता → आय → पोषण/स्वच्छता और बच्चों की शिक्षा-स्वास्थ्य पर निवेश । दुष्चक्र: अशिक्षा व अस्वच्छता → उत्पादकता → आय → बच्चों को भी कम शिक्षा/स्वास्थ्य सुविधाएँ → उत्पादकता और आय फिर कम।

» मानव पूँजी निर्माण: सकल बनाम विलास

प्रश्न 13 (आसान). मानव पूँजी निर्माण का मुख्य आधार क्या है?

उत्तर – शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य से कौशल व ज्ञान का विकास

प्रश्न 14 (आसान). सकल जैसे व्यक्ति की आय क्यों बढ़ती है?

उत्तर – उसकी उत्पादकता (श्रम की गुणवत्ता) शिक्षा और स्वास्थ्य से बढ़ती है

प्रश्न 15 (मध्यम). विलास की कहानी में 'स्वास्थ्य' का असर श्रम की गुणवत्ता पर कैसे दिखता है?

उत्तर – रोग और इलाज की कमी से उसकी काम करने की क्षमता/नियमित काम प्रभावित होता है, इसलिए उत्पादकता कम रहती है

प्रश्न 16 (कठिन). अच्छे और बुरे चक्र की अवधारणा को सकल बनाम विलास से जोड़कर समझाइए।

उत्तर – सकल/शिक्षित-स्वस्थ लोग अगली पीढ़ी के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य पर निवेश करते हैं, जिससे अवसर बढ़ते हैं–अच्छा चक्र। इसके उलट विलास जैसे मामलों में शिक्षा/स्वास्थ्य सुविधाएँ नहीं मिलतीं, इसलिए बच्चे भी सीमित अवसरों में रहते हैं–दुष्चक्र।

» मानव संसाधन की गुणवत्ता: साक्षरता व जीवन-प्रत्याशा

प्रश्न 17 (आसान). मानव संसाधन की गुणवत्ता किन दो संकेतकों से समझते हैं?

उत्तर – साक्षरता-दर और जीवन-प्रत्याशा।

प्रश्न 18 (आसान). साक्षर और स्वस्थ जनसंख्या को क्या कहा गया है?

उत्तर – परिसंपत्तियाँ।

प्रश्न 19 (मध्यम). अगर जीवन-प्रत्याशा कम हो जाए तो मानव संसाधन की गुणवत्ता पर क्या असर पड़ सकता है?

उत्तर – लोग औसतन कम समय तक काम कर पाएँगे, स्वास्थ्य-संबंधी बाधाएँ बढ़ेंगी और उत्पादकता घट सकती है–इससे गुणवत्ता कमजोर हो सकती है।

प्रश्न 20 (कठिन). संक्षेप में लिखिए: साक्षरता व जीवन-प्रत्याशा बढ़ने से संवृद्धि-दर कैसे प्रभावित होती है?

उत्तर – साक्षरता बढ़ने से लोग जानकारी/कौशल जल्दी सीखते हैं और बेहतर निर्णय लेते हैं; जीवन-प्रत्याशा बढ़ने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है और लंबे समय तक उत्पादक बने रहते हैं। दोनों मिलकर श्रम-गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाती हैं, इसलिए संवृद्धि-दर को समर्थन मिलता है।

» आर्थिक गतिविधियाँ और उनके क्षेत्र: प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक

प्रश्न 21 (आसान). मछली पकड़कर बेचने वाले का काम किस क्षेत्र में आएगा?

उत्तर – प्राथमिक क्षेत्र (मछली पकड़ना कच्चा माल/प्रकृति से लेना) और बेचने की गतिविधि तृतीयक हो सकती है।

प्रश्न 22 (आसान). दूध से दही बनाना किस क्षेत्र का उदाहरण है?

उत्तर – द्वितीयक क्षेत्र

प्रश्न 23 (मध्यम). घर में माँ बच्चों के लिए खाना बनाती हैं। यह आर्थिक गतिविधि है या गैर-आर्थिक?

उत्तर – गैर-आर्थिक (बिना भुगतान/बाजार में बिक्री के घरेलू सेवा)

प्रश्न 24 (कठिन). एक निजी अस्पताल मरीज से पैसे लेकर इलाज करता है, और एक ही परिवार की महिला घर में बीमार रिश्तेदार की देखभाल करती है। पहले को किस क्षेत्र में और दूसरे को किस रूप में पहचानेंगे?
उत्तर – निजी अस्पताल: तृतीयक क्षेत्र, आर्थिक। घरेलू देखभाल: गैर-आर्थिक (आम तौर पर राष्ट्रीय आय में नहीं जोड़ा जाता)।

» बाशार व गैर-बाशार गतिविधियाँ: श्रम के प्रकार

प्रश्न 25 (आसान). रवि खेत की उपज बाजार में बेचता है। यह किस प्रकार की गतिविधि है?
उत्तर – बाशार

प्रश्न 26 (आसान). सीता अपने परिवार के लिए सब्ज़ी उगाकर खुद खाती है। यह किस प्रकार की गतिविधि है?
उत्तर – गैर-बाशार

प्रश्न 27 (मध्यम). सरकारी अस्पताल में काम करने वाला नर्स बाशार या गैर-बाशार? और क्यों?
उत्तर – बाशार, क्योंकि सरकारी सेवा में वेतन के रूप में पारिश्रमिक मिलता है।

प्रश्न 28 (कठिन). एक व्यक्ति घर के लिए ईंटें खुद बनाता है और उसी घर को बनवाने में उपयोग करता है। साथ ही वह कभी-कभी अतिरिक्त ईंटें स्थानीय मजदूरों को बेच देता है। वर्गीकरण कैसे करोगे?
उत्तर – मुख्य/स्व-उपभोग वाला उत्पादन गैर-बाशार माना जाएगा (घर बनाने के लिए)। बेचने वाली अतिरिक्त ईंटें बाजार-आधारित हों तो वे हिस्से में बाशार गतिविधि बनेगी–पर परीक्षा में सामान्यतः 'जो हिस्सा स्व-उपभोग के लिए है' वही गैर-बाशार के रूप में लिया जाता है।

» समुदाय/नीति दृष्टि: शिक्षा व स्वास्थ्य तक पहुँच और संकेतक

प्रश्न 29 (आसान). शिशु मृत्यु-दर (infant mortality rate) किस बात का संकेत देती है?
उत्तर – एक साल से कम उम्र के शिशुओं की मृत्यु कितनी हो रही है–यानि शिशु देखभाल/स्वास्थ्य की स्थिति।

प्रश्न 30 (आसान). नीति में 'धारण' का मतलब क्या होता है?
उत्तर – बच्चे का स्कूल में बने रहना–यानी बीच में छोड़ना नहीं।

प्रश्न 31 (मध्यम). अगर नामांकन बढ़े लेकिन उपस्थिति घटे, तो नीति के किस लक्ष्य में कमी है और क्यों?
उत्तर – धारण (retention) में कमी है, क्योंकि बच्चे स्कूल में टिक नहीं रहे; सिर्फ प्रवेश सफल नहीं माना जाएगा।

प्रश्न 32 (कठिन). स्वास्थ्य नीति की सफलता को सिर्फ अस्पताल/सेवाओं की संख्या से नहीं, संकेतकों से देखने की जरूरत क्यों पड़ती है?
उत्तर – क्योंकि अंतिम प्रभाव (outcomes)–जैसे जीवन प्रत्याशा बढ़ना और शिशु मृत्यु-दर घटना–बताता है कि सेवाएँ लोगों तक सही तरह पहुँचीं या नहीं और देखभाल/पोषण में वास्तविक सुधार हुआ या नहीं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. कक्षा 9 के दो बच्चे मान लो–A को समय पर स्कूल, ट्यूशन और नियमित स्वास्थ्य-जाँच मिलती है। B को स्कूल छोड़ना पड़ता है और इलाज/स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलती। किस स्थिति में जनसंख्या "मानव संसाधन" की तरह ज्यादा योगदान देगी, और क्यों?

› समझो मानव संसाधन बनने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य में निवेश चाहिए।

› A में शिक्षा और प्रशिक्षण से कौशल व उत्पादन ज्ञान बढ़ता है, और स्वास्थ्य बेहतर होने से काम की क्षमता भी बढ़ती है।

› B में शिक्षा/स्वास्थ्य की कमी से कौशल और काम करने की उत्पादकता कम रह जाती है।

› इसलिए A वाली स्थिति में जनसंख्या ज्यादा उत्पादक योगदान देगी–यही मानव पूँजी निर्माण है।

उत्तर – जनसंख्या "मानव संसाधन" की तरह अधिक योगदान स्थिति A में देगी, क्योंकि शिक्षा-प्रशिक्षण और स्वास्थ्य में निवेश से कौशल, ज्ञान और उत्पादकता बढ़ती है।

उदाहरण 2. एक जिले में दो लोगों की तुलना करो। व्यक्ति A ने 8वीं तक पढ़ाई की, बार-बार बीमार रहता था। व्यक्ति B ने अच्छी शिक्षा ली और उसका स्वास्थ्य भी ठीक रहा। 5 साल बाद दोनों की काम करने की क्षमता और आय में अंतर क्यों आता है? मानव पूँजी के नजरिए से कारण लिखो।

› शिक्षा के कारण व्यक्ति B के कौशल और उत्पादन ज्ञान में वृद्धि होगी (काम समझना, तरीका सीखना)।

› स्वास्थ्य ठीक रहने से व्यक्ति B की काम करने की निरंतरता और सीखने की क्षमता बढ़ती है।

› इस तरह व्यक्ति B में कौशल + उत्पादन ज्ञान का स्टॉक बनता है, जिसे मानव पूँजी कहते हैं।

› व्यक्ति A में शिक्षा और स्वास्थ्य की कमी के कारण यह स्टॉक अपेक्षाकृत कम बनता है।

› इसलिए 5 साल बाद व्यक्ति B की उत्पादकता (काम की क्षमता) ज्यादा और आय की संभावना भी ज्यादा होगी।

उत्तर – मानव पूँजी के कारण अंतर आता है: व्यक्ति B में शिक्षा और स्वास्थ्य के निवेश से कौशल तथा उसमें निहित उत्पादन ज्ञान का स्टॉक बनता है, जिससे उसकी उत्पादकता और आय बढ़ती है; जबकि व्यक्ति A में शिक्षा व स्वास्थ्य की कमी से मानव पूँजी तुलनात्मक रूप से कम बनती है।

उदाहरण 3. मान लो गांव में दो तरह के लोग काम कर रहे हैं। A वर्ग के लोगों ने प्रशिक्षण और शिक्षा ली है और उनमें स्वास्थ्य सेवाएँ भी अच्छी हैं, जबकि B वर्ग के लोगों को पढ़ाई/ट्रेनिंग और स्वास्थ्य सुविधा कम मिली। किस वर्ग में उत्पादकता और आय अधिक होने की संभावना है और क्यों? तथा लाभ का असर सिर्फ उसी व्यक्ति तक क्यों नहीं रुकता?

› शिक्षा/प्रशिक्षण और स्वास्थ्य को मानव पूँजी मानो।

› A वर्ग में उत्पादकता अधिक होगी क्योंकि कौशल और ज्ञान ज्यादा है और स्वास्थ्य बेहतर है।

› उत्पादकता अधिक होने से A वर्ग की आय (wages/earning) बढ़ने की संभावना भी अधिक होगी।

› B वर्ग में कौशल/ज्ञान कम और स्वास्थ्य समस्याएँ अधिक होने से उत्पादकता कम रहने की संभावना है।

› अप्रत्यक्ष प्रभाव: A की उच्च आय और बेहतर जीवन-स्तर से परिवार/समुदाय को भी फायदा हो सकता है–इसलिए लाभ समाज तक फैलता है।

उत्तर – A वर्ग में उत्पादकता और आय अधिक होने की संभावना है क्योंकि शिक्षा-प्रशिक्षण से कौशल/ज्ञान बढ़ता है और स्वास्थ्य बेहतर होने से काम की क्षमता और निरंतरता बढ़ती है। साथ ही आय/बेहतर जीवन-स्तर के अप्रत्यक्ष असर से लाभ समाज तक भी फैलता है, इसलिए लाभ केवल व्यक्ति तक नहीं रुकता।

उदाहरण 4. सकल और विलास दोनों एक ही गाँव में रहते हैं। सकल ने कई साल शिक्षा लेकर कंप्यूटर में डिग्री हासिल की और स्वस्थ भी रहा। विलास को बीमारी हो गई और उसके लिए डॉक्टर/स्कूल की सुविधा नहीं बन पाई। बताइए कि मानव पूँजी के दृष्टिकोण से उनकी उत्पादकता और आय में क्या अंतर होगा और क्यों?

› मानव पूँजी को शिक्षा+प्रशिक्षण+स्वास्थ्य से बनने वाले कौशल और उत्पादन ज्ञान का 'स्टॉक' मानो

› सकल: शिक्षा/कौशल बढ़ने से काम करने की क्षमता और तकनीक का उपयोग बेहतर होगा; स्वास्थ्य अच्छा होने से नियमित काम भी संभव होगा

› इससे सकल की उत्पादकता बढ़ेगी

› उत्पादकता बढ़ने पर वेतन/आय बढ़ती है

› विलास: शिक्षा और स्वास्थ्य/इलाज की कमी से कौशल-ज्ञान कम रह जाएगा और काम करने की क्षमता प्रभावित होगी

› इसलिए उसकी उत्पादकता कम होगी और आय भी तुलनात्मक रूप से कम रहेगी

उत्तर – मानव पूँजी के अनुसार सकल की उत्पादकता और आय अधिक होगी क्योंकि शिक्षा (कौशल/ज्ञान) और अच्छा स्वास्थ्य उसे ज्यादा प्रभावी काम करने योग्य बनाते हैं; जबकि विलास की शिक्षा/स्वास्थ्य की कमी से श्रम की गुणवत्ता घटती है, जिससे उसकी उत्पादकता और आय अपेक्षाकृत कम रहती है।

उदाहरण 5. मान लो देश A में साक्षरता-दर 90% है और जीवन-प्रत्याशा 70 वर्ष है, जबकि देश B में साक्षरता-दर 60% है और जीवन-प्रत्याशा 62 वर्ष है। किस देश का मानव संसाधन बेहतर गुणवत्ता वाला होने की अधिक संभावना है और क्यों?

› साक्षरता-दर देखते हैं: देश A में पढ़े-लिखे लोगों का अनुपात ज्यादा है, इसलिए कौशल सीखना और सही जानकारी समझना आसान होगा।

› जीवन-प्रत्याशा देखते हैं: देश A में औसतन लोग ज्यादा वर्ष तक जीवित रहते हैं, यानी स्वास्थ्य-संबंधी बाधाएँ कम होने की संभावना है।

› दोनों संकेत मिलाकर निष्कर्ष निकालते हैं: देश A में साक्षरता + बेहतर जीवन-प्रत्याशा के कारण मानव संसाधन की

गुणवत्ता अधिक होने की संभावना है।

› यह गुणवत्ता ज्यादा उत्पादकता की तरफ ले जाती है, जो अंततः संवृद्धि-दर को समर्थन देती है।

उत्तर – देश A का मानव संसाधन बेहतर गुणवत्ता वाला होने की अधिक संभावना है, क्योंकि वहां साक्षरता-दर और जीवन-प्रत्याशा दोनों अधिक हैं–जिससे लोग लंबे समय तक उत्पादक रहकर बेहतर योगदान दे सकते हैं।

उदाहरण 6. नीचे दिए कामों को प्राथमिक, द्वितीयक या तृतीयक क्षेत्र में लिखिए, और बताइए कि ये आर्थिक (economic) हैं या गैर-आर्थिक: (i) किसान खेत में धान उगाता है, (ii) धान से चावल मिल में पिसता है, (iii) दुकान पर मोबाइल रिचार्ज कराना (कस्टमर से पैसे लेकर)।

› i) किसान धान खेत में उगाता है–यह प्रकृति से कच्चा माल निकालना है, इसलिए प्राथमिक क्षेत्र। और आमतौर पर आय/बिक्री से जुड़ा होने पर आर्थिक होगा।

› ii) धान से चावल मिल में बनता/प्रोसेस होता है–कच्चे माल में परिवर्तन हो रहा है, इसलिए द्वितीयक क्षेत्र। आर्थिक क्योंकि उत्पादन के लिए भुगतान/बाजार व्यवस्था रहती है।

› iii) मोबाइल रिचार्ज कराना सेवा है–यह सीधे वस्तु बनाना नहीं, बल्कि सेवा देना है, इसलिए तृतीयक क्षेत्र। ग्राहक से पैसे लेकर किया जा रहा है, इसलिए आर्थिक।

उत्तर – (i) प्राथमिक, आर्थिक; (ii) द्वितीयक, आर्थिक; (iii) तृतीयक, आर्थिक।

उदाहरण 7. निर्दिष्ट गतिविधियों को बाशार और गैर-बाशार में वर्गीकृत कीजिए:
(क) मोहन एक प्राइवेट दुकान में कपड़े बेचता है।
(ख) मोहन अपनी बहन की शादी के लिए घर में सामान खुद बनाता है (बाजार में नहीं बेचता)।
(ग) एक महिला सरकारी आंगनवाड़ी में सहायिका के रूप में काम करती है।
(घ) रमेश अपने खेत की फसल खुद अपने परिवार के लिए उपयोग करता है।

› पहचानो: क्या गतिविधि से वेतन/लाभ/पारिश्रमिक मिलता है और बाजार से जुड़ाव है?

› यदि भुगतान/कमाई उद्देश्य है (या सरकारी नौकरी है), तो बाशार लिखो।

› यदि उद्देश्य अपने परिवार के उपभोग के लिए उत्पादन है और बेचकर कमाई नहीं है, तो गैर-बाशार लिखो।

› हर उप-प्रश्न पर यही नियम लागू करो।

उत्तर – (क) बाशार
(ख) गैर-बाशार
(ग) बाशार
(घ) गैर-बाशार

उदाहरण 8. मान लीजिए किसी राज्य में शिक्षा नीति के बाद 1) स्कूल में नामांकन (enrolment) बढ़ा, 2) पर 6 महीने बाद उपस्थिति (attendance) गिर गई, और 3) कुछ बच्चों में पोषण की कमी जैसी समस्याएँ बनी रहीं। बताइए, नीति के 'किस हिस्से' पर ज्यादा काम चाहिए और कौन-से संकेतक/परिणाम देखकर फैसला करना चाहिए।

› पहले पहुँच (access) देखें: नामांकन बढ़ा है, यानी पहुँच में सुधार हुआ।

› फिर धारण (retention) देखें: 6 महीने बाद उपस्थिति गिर गई, यानी धारण कमजोर है।

› पोषण/quality पर ध्यान दें: पोषण की कमी रही, तो गुणवत्ता और स्वास्थ्य-शिक्षा का साथ कमजोर दिखता है।

› इसलिए नीति के हिसाब से अगला कदम–उपस्थिति/धारण बढ़ाने के लिए सहायक योजनाएँ (जैसे भोजन) और सीखने की गुणवत्ता सुधारना होगा।

› निर्णय के लिए परिणाम संकेतक देखें: शिक्षा में उपस्थिति/धारण, और स्वास्थ्य-शिक्षा लिंक में पोषण स्थिति जैसे परिणाम; स्वास्थ्य में जीवन प्रत्याशा/शिशु मृत्यु-दर जैसे संकेतक।

उत्तर – पहुंच में सुधार हुआ (नामांकन बढ़ा), लेकिन धारण (उपस्थिति) और पोषण/गुणवत्ता पर ज्यादा काम चाहिए। सफलता तय करने के लिए शिक्षा में attendance/retention जैसे संकेतक और स्वास्थ्य-शिक्षा से जुड़े परिणाम (पोषण) देखने चाहिए; तथा स्वास्थ्य में जीवन प्रत्याशा और शिशु मृत्यु-दर जैसे संकेतक भी उपयोगी हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- बोर्ड में लिखना: मानव संसाधन = शिक्षा/स्वास्थ्य/प्रशिक्षण से बनी उत्पादक क्षमता।
- उत्तर लिखते समय 'कौशल और उत्पादन ज्ञान का स्टॉक' लाइन जरूर लिखो।
- उत्तर लिखते समय 'मानव पूँजी उत्पादकता आय' और 'अप्रत्यक्ष सामाजिक लाभ' दोनों लिंक जरूर लिखो।
- बोर्ड में 'सकल/विलास' से कारण-परिणाम जरूर लिखना–शिक्षा+स्वास्थ्य उत्पादकता वेतन
- परिभाषा/कारण लिखते समय 'साक्षरता व जीवन-प्रत्याशा उत्पादकता संवृद्धि' जरूर जोड़ो।
- हर उदाहरण में पहले 'भौतिक उत्पादन है या सेवा?' और फिर 'भुगतान है या नहीं?'–यही त्वरित वर्गीकरण कराएगा।
- प्रश्न में 'वेतन/लाभ/बेचना/सरकारी नौकरी' दिखे तो बाशार लिखो; 'अपने लिए बनाना/खुद खाना' दिखे तो गैर-बाशार।
- प्रश्न में 'क्यों' आए तो पहुँच-धारण-गुणवत्ता/समावेशन और संकेतकों (जीवन प्रत्याशा, शिशु मृत्यु-दर) से जवाब लिखना।

एक नज़र में रिवीज़न

› शिक्षा+प्रशिक्षण+स्वास्थ्य मानव पूँजी उत्पादकता
› - शिक्षा+स्वास्थ्य कौशल+ज्ञान का स्टॉक = मानव पूँजी
› - S-T-H से उत्पादकता आय ; समाज को भी अप्रत्यक्ष लाभ
› - शिक्षा+स्वास्थ्य कौशल/उत्पादकता अधिक आय
› - साक्षरता-दर + जीवन-प्रत्याशा = मानव संसाधन की गुणवत्ता
› प्रा-प्रकृति, द्वि-परिवर्तन, तृ-सेवाएँ; भुगतान/बाजार देखें।
› बाशार=वेतन/लाभ+बाजार, गैर-बाशार=स्व-उपभोग+पैसा नहीं
› - पहुँच, धारण, गुणवत्ता, समावेशन + संकेतकों में सुधार